CBSE 12th 2024 Compartment Hindi Core Set-1 (2/S/1) Solutions

---

खण्ड अ
(बहुविकल्पी/वस्तुपरक प्रश्न)

Q.1 निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :

भारतीय आयुर्वेद के अनुसार औषधीय चाय (हर्बल टी) को वैदिक चाय के तौर पर भी जाना जाता है। यह बेहद स्वादिष्ट और औषधीय गुणों से भरपूर होती है। इसमें पाए जाने वाले पोषक तत्त्व न सिर्फ शरीर में तरल पदार्थों की पूर्ति करते हैं बल्कि यह दूसरी चाय से भी भिन्न होती है। औषधीय चाय पीकर दिनभर की थकान तो दूर होती ही है, साथ ही यह शरीर को किसी भी प्रकार का नुकसान नहीं पहुँचाती है। बहुत कम लोग जानते हैं कि औषधीय चाय के नियमित सेवन से शरीर की प्रतिरक्षा भी बढ़ाई जा सकती है। शारीरिक प्रतिरक्षा शक्ति मज़बूत होने से शरीर को विभिन्न बीमारियों और संक्रमण से लड़ने में मदद मिलती है। अगर आप लंबे समय से किसी बीमारी से जूझ रहे हैं, तो औषधीय चाय के सेवन से उसके प्रभाव को कम कर सकते हैं। बेहतर स्वास्थ्य के लिए सामान्य चाय की अपेक्षा औषधीय गुणों से भरपूर चाय को ही प्राथमिकता देना बुद्धिमानी बतलाया गया है। इसे पीने से शरीर तो स्वस्थ रहता ही है, दिल और दिमाग भी ताज़गी से भरपूर रहता है। यह एक प्रकार से आयुर्वेदिक चाय के रूप में भी जानी जाती है और इसमें कैफीन की मात्रा बिलकुल भी नहीं होती है, जबकि दूसरी चाय व कॉफ़ी में कैफीन की अधिक मात्रा होने से शरीर में कई स्वास्थ्य समस्याएँ जन्म ले लेती हैं और धीरे-धीरे शरीर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने लगता है। औषधीय चाय में ऐसे कई गुण पाए जाते हैं, जिनसे अंदरूनी और बाहरी तौर पर शरीर की सफाई की जा सकती है। शरीर में मौजूद अशुद्धियों को इसके सेवन से काफी हद तक दूर किया जा सकता है। इससे त्वचा का संक्रमण खत्म होता है और त्वचा स्वस्थ भी होती है। अगर नियमित तौर पर हर्बल चाय का सेवन किया जाए, तो मुँहासों की समस्या से भी निजात पाई जा सकती है। यह सोरायसिस और एक्ज़िमा का इलाज करने में भी फायदेमंद है। त्वचा को स्वस्थ बनाए रखने के लिए औषधीय चाय का सेवन किया जा सकता है।
आजकल की व्यस्त और अनियमित जीवन शैली के कारण बहुत से लोग कम उम्र से ही मोटापे का शिकार होने लग जाते हैं। बढ़ते मोटापे के कारण हृदय रोग से लेकर मधुमेह तक कई समस्याएँ हो सकती हैं। वजन घटाने और मोटापा कम करने के लिए इस चाय को

collegedunia
India's largest Student Review Platform

काफी लाभदायक माना जाता है। इसमें कुछ ऐसे तत्त्व पाए जाते हैं, जो कैलोरी और वजन को कम करने के लिए मेटाबॉलिज़्म की प्रक्रिया को ठीक करते हैं।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का विषय है **:**
(A) औषधीय चाय **:** एक परिचय
(B) औषधीय चाय के प्रकार
(C) औषधीय चाय और सामान्य चाय में अंतर
(D) वर्तमान जीवन में चाय की आवश्यकता

(ii) लोग वर्तमान समय में औषधीय चाय के सेवन की ओर क्यों प्रेरित हो रहे हैं **?**
(A) अधिक मुनाफ़ा होने से
(B) चाय का बाज़ार होने से
(C) आवश्यक पेय होने से
(D) स्वास्थ्य के प्रति सचेत होने से

(iii) वैदिक चाय की विशेषता होती है **:**
(A) प्राकृतिक होना
(B) स्वादिष्ट होना
(C) औषधीय गुणों से युक्त होना
(D) सरलता से उपलब्ध होना

(iv) हर्बल चाय साधारण चाय से भिन्न कैसे है **?**
(A) अधिक स्वादिष्ट होने से
(B) कैफीन नहीं होने से
(C) अधिक लाभदायक होने से
(D) शरीर की सफाई करने से

(v) गद्यांश के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए और सही विकल्प का चयन कीजिए **:**
कथन **I :** वैदिक चाय ही 'हर्बल टी' है।
कथन **II :** इससे प्रतिरक्षा तंत्र मज़बूत होता है।
कथन **III :** बेहतर स्वास्थ्य के लिए औषधीय चाय को प्राथमिकता देना अनिवार्य है।
कथन **IV:** इस चाय में स्वाद की कमी होती है।
(A) केवल कथन **I** सही है।
(B) केवल कथन **II** और **III** सही हैं।

collegedunia
India's largest Student Review Platform

(C) केवल कथन **I, II, III** सही हैं।
(D) केवल कथन **I** और **IV** सही हैं।

(vi) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए :
कथन : वर्तमान समय में जीवन शैली व्यस्त और अनियमित है।
कारण : बहुत से लोग मोटापे के शिकार हो जाते हैं।
विकल्प :
(A) कथन सही है, लेकिन कारण गलत है।
(B) कथन सही नहीं है, लेकिन कारण सही है।
© कथन तथा कारण दोनों सही हैं, किंतु कारण कथन की सही व्याख्या नहीं करता है।
(D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं और कारण कथन की सही व्याख्या करता है।

(vii) वजन घटाने में हर्बल चाय सहायक होती है क्योंकि :
(A) भूख को कम कर देती है।
(B) कोशिकाओं की मरम्मत होती है।
(C) पाचन तंत्र को मज़बूत बनाती है।
(D) मेटाबॉलिज़्म की प्रक्रिया ठीक करती है।

(viii) गद्यांश के आधार पर हृदय रोग और मधुमेह जैसी समस्याओं का मूल कारण क्या है ?
(A) मोटापे का शिकार होना
(B) अनियमित जीवन शैली होना
(C) भोजन में वसा और चीनी अधिक होना
(D) कसरत और योग का अभाव होना

(ix) शरीर को विभिन्न बीमारियों से बचाया जा सकता है :
(A) शारीरिक श्रम को महत्त्व देकर
(B) रोज हर्बल चाय का सेवन कर
(C) शारीरिक प्रतिरक्षा को विकसित कर
(D) दिल, दिमाग को स्वस्थ रख कर

(x) गद्यांश के अनुसार 'सोरायसिस' और 'एक्ज़िमा' रोग का संबंध शरीर के किस भाग से है ?
(A) पेट

collegedunia
India's largest Student Review Platform

(B) मुँह
(C) दिल
(D) त्वचा

Solution. (i) (A) औषधीय चाय : एक परिचय

(ii) (D) स्वास्थ्य के प्रति सचेत होने से

(iii) (C) औषधीय गुणों से युक्त होना

(iv) (B) कैफीन नहीं होने से

(v) (C) केवल कथन I, II, III सही हैं।

(vi) (D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं और कारण कथन की सही व्याख्या करता है।

(vii) (D) मेटाबॉलिज़्म की प्रक्रिया ठीक करती है।

(viii) (B) अनियमित जीवन शैली होना

(ix)] (B) रोज हर्बल चाय का सेवन कर

(x) (D) त्वचा

Q.2.निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए **:**
अँधेरी रात में दीपक जलाए कौन बैठा है **?**
उठी ऐसी घटा नभ में छिपे सब चाँद और तारे, उठा तूफान वह नभ में गए बुझ दीप भी सारे,
मगर इस रात में भी लौ लगाए कौन बैठा है**?**
अँधेरी रात में दीपक जलाए कौन बैठा है **?** गगन में गर्व से उठ-उठ, गगन में गर्व से घिर-घिर गरज कहती घटाएँ हैं, नहीं होगा उजाला फिर,
मगर चिर ज्योति में निष्ठा जमाए कौन बैठा है **?**
अँधेरी रात में दीपक जलाए कौन बैठा है**?**

collegedunia
India's largest Student Review Platform

तिमिर के राज का ऐसा कठिन आतंक छाया है, उठा जो शीश सकते थे उन्होंने सिर झुकाया है,
मगर विद्रोह की ज्वाला जलाए कौन बैठा है?
अँधेरी रात में दीपक जलाए कौन बैठा है ?
प्रलय का सब समाँ बाँधे प्रलय की रात है छाई, विनाशक शक्तियों की इस तिमिर के बीच बन आई,

मगर निर्माण में आशा दृढ़ाए कौन बैठा है ?
अँधेरी रात में दीपक जलाए कौन बैठा है? प्रभंजन, मेघ दामिनी ने न क्या तोड़ा, न क्या फोड़ा, धरा के और नभ के बीच कुछ साबित नहीं छोड़ा,
मगर विश्वास को अपने बचाए कौन बैठा है?
अँधेरी रात में दीपक जलाए कौन बैठा है ?

(i) प्रस्तुत काव्यांश में 'दीपक' प्रतीकार्थ है :
(A) ज्ञान
(B) ज्योति
(C) आशा
(D) शक्ति

(ii) "उठी ऐसी घटा नभ में छिपे सब चाँद और तारे" पंक्ति में 'चाँद और तारों का छिपना' से - अभिप्राय है :
(A) कोई मार्ग समझ में न आना
(B) विपरीत परिस्थितियों का घिर आना
(C) प्रकाश के साधनों का लुप्त हो जाना
(D) सहायक साधनों/व्यक्तियों का न होना

(iii) "तिमिर के राज का ऐसा कठिन आतंक छाया है" पंक्ति में 'तिमिर के राज' का आशय है : -
(A) अँधेरे का साम्राज्य
(B) प्राकृतिक आपदाएँ
(C) आततायी शासक
(D) सत्ताधारी वर्ग

(iv) विनाशक शक्तियाँ जब सक्रिय हो जाती हैं तब :
कथन । : चारों ओर आतंक का राज रहता है।

collegedunia
India's largest Student Review Platform

कथन **II :** भय का वातावरण रहता है।
कथन **III:** अमन-चैन का साम्राज्य रहता है।
उपर्युक्त कथन के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प सही है **?**
(A) केवल कथन **I** और **II** सही हैं।
(B) केवल कथन **I** और **III** सही हैं।
(C) केवल कथन **II** और **III** सही हैं।
(D) कथन **I, II** और **III** सही हैं।

(v) स्तंभ-**I** को स्तंभ-**II** से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प चुनकर लिखिए **:**

स्तंभ-**I**	स्तंभ-**II**
1.तिमिर	**(i)** बिजली
2.समाँ	**(ii)**धरती
3.दामिनी	**(iii)**दृश्य
4.धरा	**(iv)**अँधेरा

विकल्प **:**
(A) 1-(ii), 2-(iii), 3-(iv), 4-(i)
(B) 1-(iii), 2-(i), 3-(ii), 4-(iv)
(C) 1-(i), 2-(ii), 3-(iv), 4-(iii)
(D) 1-(iv), 2-(iii), 3-(i), 4-(ii)

Solution. (i)(C) आशा

(ii) (B) विपरीत परिस्थितियों का घिर आना

(iii)"तिमिर के राज का ऐसा कठिन आतंक छाया है" पंक्ति में 'तिमिर के राज' का आशय है:
(A) अँधेरे का साम्राज्य

(iv) (A) केवल कथन I और II सही हैं।

(v) (D) 1-(iv), 2-(iii), 3-(i), 4-(ii)

(अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक पर आधारित प्रश्न**)**

collegedunia
India's largest Student Review Platform

Q.3. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए:

(i) मुद्रित माध्यमों में लोकप्रिय लेखकों के लेखों की नियमित श्रृंखला कही जाती है :

(A) स्तंभ लेखन

(B) समाचार लेखन

(C) सूचना लेखन

(D) सृजनात्मक लेखन

(ii) आर्थिक पत्रकारिता से जुड़े पत्रकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती है :

(A) इस क्षेत्र से जुड़ी तकनीकी शब्दावली को समझना

(B) इस क्षेत्र से जुड़ी तकनीकी शब्दावली का प्रयोग करना

(C) देश की अर्थव्यवस्था का ठीक से विश्लेषण करना

(D) इस क्षेत्र से जुड़ी शब्दावली को पाठक वर्ग के समझने लायक बनाना

(iii) पत्रकार कितने प्रकार के होते हैं **?**

(A) एक

(B) दो

(C) तीन

(D) चार

(iv) पत्रकारिता का मूल तत्त्व है :

(A) सूचना देना

(B) प्रेरणा देना

(C) ख़बर छापना

(D) मनोरंजन करना

(v) संचार प्रक्रिया में किसी प्रकार की बाधा कहलाती है :

(A) बाधा

(B) शोर

(C) अवरोध

(D) रुकावट

Solution. (i) (A) स्तंभ लेखन

(ii) (D) इस क्षेत्र से जुड़ी शब्दावली को पाठक वर्ग के समझने लायक बनाना**

collegedunia
India's largest Student Review Platform

(iii) (D) चार

(iv) (A) सूचना देना

(v) (C) अवरोध

(पाठ्यपुस्तक पर आधारित प्रश्न**)**

Q.4. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :

मैं जग-जीवन का भार लिए फिरता हूँ, फिर भी जीवन में प्यार लिए फिरता हूँ; कर दिया किसी ने झंकृत जिनको छूकर मैं साँसों के दो तार लिए फिरता हूँ ! मैं स्नेह-सुरा का पान किया करता हूँ, मैं कभी न जग का ध्यान किया करता हूँ जग पूछ रहा उनको, जो जग की गाते,
मैं अपने मन का गान किया करता हूँ !

(i) 'जग-जीवन का भार' से क्या आशय है **?**
(A) व्यक्तिगत जीवन की कठिनाइयाँ
(B) सांसारिक जीवन की समस्याएँ
(C) व्यावहारिक जीवन का संघर्ष
(D) आम जीवन की जद्दोजहद
(ii) कवि सांसारिक प्रेम का आधार किसे मानता है **?**
(A) त्याग
(B) स्वार्थ
(C) सहयोग
(D) प्रशंसा
(iii) 'साँसों के तार' से कवि का क्या तात्पर्य है**?**
(A) प्रेम
(B) संवेदना
(C) चाहत
(D) समर्पण
(iv) प्रस्तुत काव्यांश से कवि के बारे में पता चलता है कि **:**

collegedunia
India's largest Student Review Platform

कथन **I :** कवि संवेदनशील है।
कथन **II :** प्रेम ही कवि के लिए प्रमुख है।
कथन **III:** प्रेम के सामने संसार का महत्त्व नहीं है।
उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं **?**
(A) कथन **I** और **III** सही हैं।
(B) कथन **I** ग़लत है और कथन **II, III** सही हैं।
(C) कथन **I, II** और **III** सही हैं।
(D) कथन **I** और **II** सही हैं।

(v) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए **:**
कथन **:** संसार से निरपेक्ष रहने वाला कवि जग-जीवन का भार लिए फिरता है।
कारण **:** दुनिया अपने व्यंग्य बाणों से और शासन-प्रशासन से चाहे कितना कष्ट दे, पर दुनिया से कटकर मनुष्य रह भी नहीं पाता।
विकल्प **:**
(A) कथन सही है, किंतु कारण ग़लत है।
(B) कथन ग़लत है, किंतु कारण सही है।
(C) कथन तथा कारण दोनों सही हैं, किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है।
(D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

Solution. (i) (B) सांसारिक जीवन की समस्याएँ
(ii) (A) त्याग

(iii) '(B) संवेदना

(iv)(C) कथन I, II और III सही हैं।**

(v) (D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

Q.5 निम्नलिखित पठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए **:**

collegedunia
India's largest Student Review Platform

एक-एक बार मुझे मालूम होता है कि यह शिरीष एक अद्‌भुत अवधूत है। दुःख हो या सुख, वह हार नहीं मानता। न ऊधो का लेना, न माधो का देना। जब धरती और आसमान जलते रहते हैं, तब भी यह हज़रत न जाने कहाँ से अपना रस खींचते रहते हैं। मौज में आठों याम मस्त रहते हैं। एक वनस्पतिशास्त्री ने मुझे बताया है कि यह उस श्रेणी का पेड़ है, जो वायुमंडल से अपना रस खींचता है। ज़रूर खींचता होगा। नहीं तो भयंकर लू के समय इतने कोमल तंतुजाल और ऐसे सुकुमार केसर को कैसे उगा सकता था ? अवधूतों के मुँह से ही संसार की सबसे सरस रचनाएँ निकली हैं। कबीर बहुत-कुछ इस शिरीष के समान ही थे, मस्त और बेपरवा, पर सरस और मादक ।

(i) गद्यांश का केन्द्रीय भाव है :
(A) कबीर का परिचय
(B) शिरीष की विशेषता
(C) शिरीष की उपयोगिता
(D) शिरीष का प्रभाव

(ii) शिरीष को अद्‌भुत कहा गया है :
(A) हँसते मुस्कुराते रहने के कारण
(B) कठिनाइयों में अडिग रहने के कारण
(C) दुःख-सुख में सम भाव से रहने के कारण
(D) भयंकर गरमी को झेलने के कारण

(iii) निम्नलिखित कथनों पर विचार करते हुए गद्यांश के अनुसार सही कथन को चयनित कर लिखिए।
(A) शिरीष वायुमंडल से भोग्य पदार्थ ग्रहण करता है।
(B) शिरीष एक हरा-भरा पौधा है।
(C) शिरीष पाताल की गहराइयों से रस प्राप्त करता है।
(D) शिरीष वनस्पतिशास्त्री का प्रिय पौधा है।

(iv) "न ऊधो का लेना, न माधो का देना" का आशय है :
(A) सदैव प्रसन्न रहना
(B) क्रय-विक्रय न करना
(C) लेन-देन का कार्य न करना
(D) निर्लिप्त भाव से जीवन जीना

(v) "मौज में आठो याम मस्त रहते हैं" पंक्ति में प्रयुक्त 'याम' शब्द से आप क्या समझते हैं ? -

collegedunia
India's largest Student Review Platform

(A) मिनट
(B) घंटा
(C) दिन
(D) पहर

Solution. (i) (B) शिरीष की विशेषता

(ii) (C) दुःख-सुख में सम भाव से रहने के कारण

(iii) (A) शिरीष वायुमंडल से भोग्य पदार्थ ग्रहण करता है।

(iv) (D) निर्लिप्त भाव से जीवन जीना

(v) (D) पहर

(पूरक पाठ्यपुस्तक पर आधारित प्रश्न)

Q.6. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए **:**

(i) घर में दावत चलते समय यशोधर बाबू संध्या करने क्यों चले गए **?**
(A) प्रभु का आशीर्वाद लेने के लिए
(B) शोर-शराबे से बचने के लिए
(C) प्रभु का धन्यवाद व्यक्त करने के लिए
(D) पार्टी से बचने के लिए

(ii) सिन्धु का इलाका किससे मिलता-जुलता है **?**
(A) बाड़मेर से
(B) राजस्थान से
(C) जैसलमेर से
(D) बीकानेर से
(iii) बसंत पाटील को लेखक द्वारा मित्र बनाए जाने का कारण नहीं है **:**
(A) वह मेधावी था
(B) उसका शांत स्वभाव था
(C) वह कक्षा का मॉनिटर था

collegedunia
India's largest Student Review Platform

(D) वह बड़ी जाति से था

(iv) कुंड में पानी के प्रबंध हेतु किसकी व्यवस्था थी **?**
(A) नहर की
(B) तालाब की
(C) कुएँ की
(D) नदियों की

(v) दफ़्तर से निकलकर यशोधर बाबू कहाँ चले जाते थे **?**
(A) क्वार्टर में
(B) बिरला मंदिर में
(C) गोल मार्केट में
(D) पार्क में

(vi) **'**जूझ**'** कहानी का नायक आनंदा कक्षा में चह्वाण के लड़के द्वारा गमछा छीने जाने पर रुआँसा क्यों हो गया **?**
(A) गमछे के फट जाने के कारण
(B) कक्षा के छात्रों के हँसने के कारण
(C) गमछा फट जाने के संभावित भय के कारण
(D) पिता द्वारा की जाने वाली संभावित पिटाई के कारण

(vii) छोटे टीलों पर बनी बस्ती को क्या कहकर पुकारा जाता था **?**
(A) नीचे क्षेत्र
(B) नीचा घर
(C) नीचा नगर
(D) पुराना घर

(viii) लेखक के पिता गाँव में सबसे पहले कोल्हू क्यों चलाते थे **?**
(A) काम खत्म करने के लिए
(B) पैसा बचाने के लिए
(C) बच्चे पर शासन के लिए

(D) ईख की अच्छी कीमत के लिए

collegedunia
India's largest Student Review Platform

(ix) मूल संस्कारों से आधुनिका न होते हुए यशोधर बाबू की पत्नी के आधुनिका बनने का कारण इनमें से नहीं है :
(A) बच्चों का पढ़-लिखकर ऊँचा वेतनमान पाना
(B) संयुक्त परिवार में पति द्वारा कभी पक्ष न लिया जाना
(C) बच्चों की तरफदारी करने की मातृसुलभ मजबूरी
(D) संयुक्त परिवार में आचार-व्यवहार के बंधनों में रहना

(x) यशोधर बाबू चाहते थे कि उनके बच्चे :
(A) दफ़्तर पैदल जाएँ
(C) उनसे पूछ कर काम करें
(B) पैसा खर्च करें
(D) अपना निर्णय स्वयं लें

Solution. (i) (B) शोर-शराबे से बचने के लिए

(ii) (D) बीकानेर से

(iii) (D) वह बड़ी जाति से था

(iv) (C) कुएँ की

(v) (D) पार्क में

(vi) (D) पिता द्वारा की जाने वाली संभावित पिटाई के कारण

(vii) (C) नीचा नगर

(viii) (D) ईख की अच्छी कीमत के लिए

(ix) (D) संयुक्त परिवार में आचार-व्यवहार के बंधनों में रहना

(x) (D) अपना निर्णय स्वयं लें

खण्ड ब

collegedunia
India's largest Student Review Platform

(वर्णनात्मक प्रश्न)
(जनसंचार और सृजनात्मक लेखन पर आधारित प्रश्न)

Q.7. निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग **120** शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए **:**
(क) जी**-20** शिखर सम्मेलन **2023**
(ख) अंतरिक्ष में भारत के बढ़ते कदम
(ग) पोषक अनाज स्वास्थ्य का खजाना

Solution. (क) जी-20 शिखर सम्मेलन 2023

जी-20 शिखर सम्मेलन 2023 भारत में आयोजित किया गया, जिसमें विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं ने हिस्सा लिया। इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य वैश्विक आर्थिक स्थिरता, सतत विकास, और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को प्रोत्साहित करना था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में, भारत ने सम्मेलन की मेज़बानी की और विकासशील देशों के मुद्दों को प्राथमिकता दी। सम्मेलन में जलवायु परिवर्तन, ऊर्जा सुरक्षा, और डिजिटल अर्थव्यवस्था जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई। वैश्विक नेताओं ने एक साथ मिलकर वैश्विक चुनौतियों का समाधान ढूंढ़ने का संकल्प लिया। इस शिखर सम्मेलन ने भारत की बढ़ती वैश्विक भूमिका और अंतरराष्ट्रीय मंच पर उसकी बढ़ती प्रभावशीलता को उजागर किया, और विकासशील देशों की आवाज़ को प्रबल बनाने का प्रयास किया।
(ख) अंतरिक्ष में भारत के बढ़ते कदम

भारत ने हाल के वर्षों में अंतरिक्ष के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल की हैं। 2019 में, चंद्रयान-2 के सफल प्रक्षेपण ने भारत की अंतरिक्ष क्षमताओं को वैश्विक स्तर पर मान्यता दिलाई। इसके अलावा, 2023 में भारत ने अपनी पहली सौर मिशन, आदित्य-L1 को लॉन्च किया, जो सूर्य के बाहरी वातावरण का अध्ययन करेगा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) ने न केवल अपने स्वदेशी उपग्रह प्रक्षेपणों में वृद्धि की है, बल्कि नेविगेशन और संचार के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण प्रगति की है। भारत का लक्ष्य भविष्य में मानवयुक्त मिशन और अंतरिक्ष की नई सीमाओं की खोज करना है, जिससे वह अंतरिक्ष विज्ञान में एक प्रमुख वैश्विक खिलाड़ी के रूप में उभरे।

(ग) पोषक अनाज स्वास्थ्य का खजाना

पोषक अनाज, जैसे कि क्विनोआ, चिया बीज, और ज्वार, स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी होते हैं। ये अनाज विटामिन, खनिज, और प्रोटीन से भरपूर होते हैं, जो शरीर की

collegedunia
India's largest Student Review Platform

ऊर्जा को बनाए रखने और विभिन्न बीमारियों से बचाव में मदद करते हैं। क्विनोआ, विशेष रूप से, सभी आवश्यक एमिनो एसिड्स से युक्त होता है और यह शाकाहारी लोगों के लिए एक अच्छा प्रोटीन स्रोत है। चिया बीज में ओमेगा-3 फैटी एसिड्स और फाइबर होते हैं, जो दिल की सेहत और पाचन तंत्र को सुधारने में सहायक हैं। ज्वार, एक अनाज जो प्राचीन समय से उपयोग में रहा है, उच्च फाइबर और मिनरल्स से भरपूर होता है। इन पोषक अनाजों का नियमित सेवन शरीर को स्वस्थ रखने, वजन नियंत्रित करने, और दीर्घकालिक स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करने में सहायक होता है।

Q.8 निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर लगभग **40** शब्दों में निर्देशानुसार उत्तर लिखिए **:**

(i) (क) कहानी का नाट्य रूपांतरण करते समय पात्रों के मनोभावों को**,** द्वंद्वों को किस प्रकार प्रस्तुत किया जा सकता है **?**
अथवा
Solution. कहानी का नाट्य रूपांतरण करते समय पात्रों के मनोभावों और द्वंद्वों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने के लिए उनका संवाद और शारीरिक भाषा महत्वपूर्ण होती है। मनोभावों को व्यक्त करने के लिए भावनात्मक संवाद और चेहरे के हाव-भाव का उपयोग किया जा सकता है, जबकि द्वंद्वों को ड्रामाटिक टेंशन, आवाज की लहरों और दृश्य प्रभावों से दिखाया जा सकता है। पात्रों के संघर्ष और आंतरिक द्वंद्व को दर्शाने के लिए दृश्य प्रभाव, संगीत और प्रकाश का भी उपयोग किया जाता है, जिससे दर्शकों को पात्रों की भावनाओं और मानसिक स्थिति का गहरा अनुभव हो।

(ख) **'लक्ष्मण-मूर्च्छा और राम का विलाप'** पाठ के आधार पर रावण और कुंभकरण के बीच हुए संवाद को दृश्य के रूप में प्रस्तुत कीजिए।

Solution. दृश्य: रावण और कुंभकरण के बीच संवाद

स्थान:रावण का महल, रात्रि का समय। महल के एक विशाल कक्ष में रावण और कुंभकरण आमने-सामने बैठे हैं। कक्ष में मंद प्रकाश, महल की दीवारों पर दरी और भव्य सजावट है। रावण एक सिंहासन पर बैठा है, जबकि कुंभकरण उसके सामने एक साधारण पलंग पर लेटा है, उसके चारों ओर भोजन की सामग्री और बर्तन बिखरे हुए हैं।

रावण: (गुस्से में, सिर झुका कर) "कुंभकरण, मेरे भाई, लक्ष्मण के प्रहार से मूर्च्छित हो गया है। अब क्या होगा? हमारी विजय की योजना पर पानी फिर गया है।"

collegedunia
India's largest Student Review Platform

कुंभकरण: (धीमे स्वर में, लेटे हुए) "भाई, धैर्य रखो। लक्ष्मण का प्रहार केवल एक अस्थायी बाधा है। हमलोगों ने इतना बड़ा युद्ध लड़ा है, एक मूर्च्छा से हार मान लेना क्या उचित है?"

रावण: (विवादित, चिंतित) "परन्तु यह मूर्च्छा हमें बहुत महंगी पड़ सकती है। राम का विलाप, उनकी संजीवनी बूटी की चर्चा, सब कुछ हमारी हार की ओर इशारा कर रहा है।"

कुंभकरण: (सहमति में सिर हिला कर, उन्नति का संकेत) "हमारे पास शक्तिशाली योद्धा हैं। हमें जल्द ही लक्ष्मण को जगा कर युद्ध में वापसी करनी होगी। हमारी सेना मजबूत है। राम की ओर से आ रही चुनौतियों का सामना करने के लिए हमें एकजुट रहना होगा।"

रावण: (मुस्कुराते हुए, आश्वस्त) "तुम्हारे शब्दों से कुछ राहत मिली है, कुंभकरण। मैं भी जानता हूँ कि विजय की राह में संकट आ सकते हैं, लेकिन हमें हार मानने का कोई प्रश्न नहीं है।"

कुंभकरण: (संतोषजनक स्वर में) "फिर तो, हमें तुरंत योजना बनानी होगी और लक्ष्मण को युद्ध में वापसी के लिए तैयार करना होगा। विजय हमारे पास होगी, बस हमें धैर्य और साहस बनाए रखना होगा।"

रावण: (उत्साहित, दृढ़ता से) "सही कहा तुमने। हम हार नहीं मानेंगे। हम अपनी शक्ति और सामर्थ्य को एक बार फिर सिद्ध करेंगे।"

दृश्य समाप्त

(प्रकाश मंद होता है, संवाद समाप्त होने के बाद रावण और कुंभकरण मिलकर योजना बनाने में जुट जाते हैं।)

(ii) (क) रेडियो नाटक की तुलना में सिनेमा और रंगमंच की लोकप्रियता का क्या कारण है**?**

Solution. रेडियो नाटक की तुलना में सिनेमा और रंगमंच की लोकप्रियता कई कारणों से अधिक है:

collegedunia
India's largest Student Review Platform

1. दृश्य और श्रवण अनुभव: सिनेमा और रंगमंच दृश्य (दृश्य) और श्रवण (साउंड) दोनों को प्रस्तुत करते हैं, जिससे दर्शक को एक समृद्ध और जीवंत अनुभव मिलता है। दृश्य प्रभाव, रंग, अभिनय, और सेट डिज़ाइन जैसे तत्व दर्शकों को कहानी में पूरी तरह से डूबने में मदद करते हैं।

2. सामाजिक और सामूहिक अनुभव: सिनेमा और रंगमंच में लोग एक साथ बैठकर फिल्म या नाटक का आनंद लेते हैं, जो सामाजिक और सामूहिक अनुभव को बढ़ाता है। साथ में देखने से साझा अनुभव और चर्चा की संभावना भी बढ़ती है।

3. विशेष प्रभाव और तकनीकी तत्व: सिनेमा और रंगमंच में विशेष प्रभाव, साउंडट्रैक, और तकनीकी नवाचारों का उपयोग होता है, जो कहानी को अधिक आकर्षक और प्रभावशाली बनाते हैं।

4. अभिनय का प्रत्यक्ष अनुभव: रंगमंच पर लाइव अभिनय और सिनेमा में अभिनेताओं की शारीरिक अभिव्यक्तियों को प्रत्यक्ष देखना दर्शकों को अधिक प्रभावशाली अनुभव प्रदान करता है।

इन कारणों से सिनेमा और रंगमंच की लोकप्रियता रेडियो नाटक की तुलना में अधिक होती है, क्योंकि ये माध्यम दर्शकों को एक समग्र और इंटरैक्टिव अनुभव प्रदान करते हैं।

(ख) अप्रत्याशित लेखन में किन बातों का ध्यान रखा जाता है**?**

Solution. अप्रत्याशित लेखन (unpredictable writing) में निम्नलिखित बातों का ध्यान रखा जाता है:

1. संपूर्णता और निरंतरता: कथा या लेख में घटनाओं की निरंतरता को बनाए रखना ज़रूरी है, जिससे पाठक का ध्यान बना रहे और वो घटना की दिशा को सही से समझ सके।

2. चौंकाने वाले मोड़: अप्रत्याशित लेखन में कहानी के भीतर कुछ चौंकाने वाले मोड़ या घटनाएँ होनी चाहिए, जो पाठक की उम्मीदों को चकनाचूर कर दें और उन्हें नया दृष्टिकोण प्रदान करें।

3. चरित्र विकास: पात्रों की विशेषताएँ और उनकी परिस्थितियाँ ऐसी होनी चाहिए कि वे अप्रत्याशित बदलाव का सामना कर सकें। यह पात्रों की जटिलता और गहराई को भी दर्शाता है।

collegedunia
India's largest Student Review Platform

4. संदर्भ और संकेत: कथानक में संकेत और संदर्भ बेतरतीब और भ्रमित करने वाले नहीं होने चाहिए। अप्रत्याशितता के बावजूद, कहानी का अंत समझदारी से जुड़े होना चाहिए।

5. पाठक की भागीदारी:पाठकों को घटनाओं की दिशा और परिणति के बारे में पूर्वानुमान लगाने में कठिनाई होनी चाहिए। इससे उनकी रुचि बनी रहती है और वे आगे क्या होने वाला है, यह जानने के लिए उत्सुक रहते हैं।

इन बातों का ध्यान रखकर अप्रत्याशित लेखन प्रभावी और दिलचस्प बनता है, जो पाठक को अंत तक बांधे रखता है।

Q.9. निम्नलिखित तीन प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग **60** शब्दों में लिखिए **:**

(क) प्रिंट माध्यम की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

Solution. प्रिंट माध्यम की विशेषताएँ निम्नलिखित हैं:

1. स्थायीता: प्रिंट सामग्री जैसे समाचार पत्र, पत्रिकाएँ, और किताबें स्थायी होती हैं और लंबे समय तक उपलब्ध रहती हैं, जिससे लोग आसानी से संदर्भ ले सकते हैं।

2. विस्तृत पहुँच: यह विभिन्न दर्शकों तक पहुँचने का एक प्रभावी तरीका है, क्योंकि यह व्यापक वितरण नेटवर्क के माध्यम से बड़े दर्शक वर्ग तक पहुँच सकता है।

3. संवेदनशीलता: प्रिंट सामग्री में पाठक को गहराई से सामग्री का अध्ययन करने का समय मिलता है, जो कि रेडियो या टीवी जैसे तात्कालिक माध्यमों में संभव नहीं होता।

4. संरक्षित गुण: प्रिंट माध्यम में प्रस्तुत सामग्री को संग्रहित और संरक्षित किया जा सकता है, जो किसी विशेष विषय पर अनुसंधान और अध्ययन के लिए उपयोगी होता है।

इन विशेषताओं के कारण प्रिंट माध्यम आज भी महत्वपूर्ण और प्रभावी जानकारी संप्रेषण का स्रोत बना हुआ है।

collegedunia
India's largest Student Review Platform

(ख) 'जनसंचार के विभिन्न माध्यमों के बीच अंतर चाहे जितना हो लेकिन वे एक-दूसरे के पूरक और सहयोगी हैं, प्रतिद्वंदी नहीं।' सिद्ध कीजिए।

Solution.जनसंचार के विभिन्न माध्यम, जैसे प्रिंट, रेडियो, टीवी, और डिजिटल मीडिया, भिन्न-भिन्न तरीकों से सूचनाएँ प्रदान करते हैं लेकिन वे एक-दूसरे के पूरक और सहयोगी हैं, प्रतिद्वंदी नहीं।

1. सूचना का विविध स्वरूप: प्रत्येक माध्यम की अपनी विशेषताएँ हैं—प्रिंट में गहराई और स्थायीत्व है, रेडियो तात्कालिकता और श्रव्यता प्रदान करता है, टीवी दृश्य और श्रव्य दोनों तत्वों को एकत्र करता है, जबकि डिजिटल मीडिया त्वरित और इंटरैक्टिव है। ये माध्यम एक ही विषय को अलग-अलग दृष्टिकोण से प्रस्तुत कर सकते हैं, जिससे जानकारी को व्यापक और समृद्ध बनाते हैं।

2. विविध दर्शक वर्ग: विभिन्न माध्यमों के विभिन्न दर्शक वर्ग होते हैं। प्रिंट मीडिया में पढ़ने वाले लोग हो सकते हैं, रेडियो सुनने वाले अलग हो सकते हैं, और टीवी देखने वाले एक और समूह हो सकते हैं। डिजिटल मीडिया इन सभी को एक साथ जोड़ता है। इस प्रकार, इनका सहयोग दर्शकों को व्यापक जानकारी प्रदान करता है।

3. सूचनाओं का संचार: एक ही खबर या जानकारी को विभिन्न माध्यमों के माध्यम से संप्रेषित किया जा सकता है। जैसे, एक समाचार को प्रिंट मीडिया में छापा जा सकता है, रेडियो और टीवी पर प्रसारित किया जा सकता है, और डिजिटल मीडिया पर अपडेट किया जा सकता है। यह जानकारी के व्यापक प्रसार को सुनिश्चित करता है।

इस प्रकार, जबकि विभिन्न जनसंचार माध्यमों की विशेषताएँ और प्रस्तुत करने की विधियाँ अलग-अलग हैं, वे एक-दूसरे के पूरक और सहयोगी हैं, जिससे सूचना का अधिक प्रभावी और समग्र वितरण संभव होता है।

(ग) क्या पत्रकारिता को जल्दी में लिखा गया साहित्य माना जा सकता है ? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए।

Solution. पत्रकारिता को जल्दी में लिखा गया साहित्य मानना सही नहीं है। पत्रकारिता और साहित्य दोनों की अपनी विशेषताएँ और उद्देश्य होते हैं, जो उन्हें अलग करते हैं।

collegedunia
India's largest Student Review Platform

1. उद्देश्य: पत्रकारिता का मुख्य उद्देश्य सूचना का त्वरित और सटीक प्रसार करना होता है। यह घटनाओं को तात्कालिकता के साथ प्रस्तुत करती है ताकि जनता को ताजातरीन जानकारी मिल सके। इसके विपरीत, साहित्य का उद्देश्य भावनात्मक और वैचारिक गहराई से पाठकों को प्रभावित करना होता है, और इसके लिए लेखक अधिक समय लेता है।

2. रचनात्मकता और प्रक्रिया: साहित्य की रचना में लेखक गहराई से सोचता है, संशोधन करता है, और पात्रों, कथानक, और शैली पर ध्यान देता है। पत्रकारिता में, पत्रकार अक्सर तात्कालिकता और सटीकता के बीच संतुलन बनाते हैं, और सामग्री को जल्दी से तैयार करना होता है।

3. प्रस्तुति और शोध: साहित्य में लेखक घटनाओं और पात्रों का गहन विश्लेषण करता है, और यह काव्यात्मक या चिंतनशील हो सकता है। पत्रकारिता में, सूचना और समाचार का तथ्यात्मक और विश्लेषणात्मक प्रस्तुतीकरण होता है, जिसमें तथ्य और डेटा की सटीकता पर जोर दिया जाता है।

इस प्रकार, जबकि पत्रकारिता और साहित्य दोनों में लेखन की कला शामिल होती है, उनका उद्देश्य, प्रक्रिया, और प्रस्तुति में महत्वपूर्ण अंतर होते हैं। पत्रकारिता को जल्दी में लिखा गया साहित्य मानना, उसकी तात्कालिकता और सूचना के महत्व को नहीं समझना होगा।

(पाठ्यपुस्तक पर आधारित प्रश्न)

Q.10. काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग **60** शब्दों में लिखिए **:**

(क) 'पतंग' कविता का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए।

Solution. 'पतंग' कविता का प्रतिपाद्य

'पतंग' कविता में कवि ने पतंग के माध्यम से जीवन की विविधता और स्वतंत्रता की ओर संकेत किया है। पतंग की उड़ान का प्रतीक उसके उद्दीपन और प्रयासों की ममता को दर्शाता है। कवि यह बताना चाहता है कि जीवन में स्वतंत्रता और उन्नति प्राप्त करने के लिए हमें निरंतर प्रयास और संघर्ष की आवश्यकता होती है। पतंग की तरह, जो हवा में

collegedunia
India's largest Student Review Platform

ऊँचाई प्राप्त करने के लिए लहराती रहती है, हमें भी जीवन में ऊँचाई और सफलता पाने के लिए निरंतर प्रयास और साहस रखना चाहिए।

इस कविता के माध्यम से, कवि ने स्वतंत्रता, संघर्ष और जीवन के उच्च लक्ष्यों की ओर बढ़ने की प्रेरणा दी है।

(ख) भाषा को सहूलियत से बरतने से क्या अभिप्राय है**?**

Solution. भाषा को सहूलियत से बरतने का अभिप्राय है कि भाषा का उपयोग सरल, सहज, और प्रभावी ढंग से किया जाए। इसका मतलब है कि भाषा को समझने और बोलने में आसानी हो, ताकि संचार में कोई अड़चन न आए। यह भाषा की स्वच्छता, स्पष्टता, और दक्षता को सुनिश्चित करता है, जिससे संवाद प्रभावी और व्यावहारिक बनता है।

(ग) छोटे चौकोने खेत को काग़ज़ का पन्ना कहने में क्या अर्थ निहित है**?**

Solution. "छोटे चौकोने खेत को काग़ज़ का पन्ना कहने" में यह अर्थ निहित है कि खेत की सतह सादा और निर्जीव है, जैसे काग़ज़ का पन्ना। यह पंक्ति खेत की उर्वरता या महत्ता को दर्शाने के बजाय उसकी साधारणता और बेरौनकपन को उजागर करती है, जो खेती की वास्तविक कठिनाइयों की ओर संकेत करती है।

Q.11 काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग **40** शब्दों में लिखिए **:**

(क) **'**कवितावली**'** के छंद के आधार पर लिखिए कि पेट की आग से क्या तात्पर्य है। उसकी तुलना **'**बड़वाग्नि**'** से क्यों की गई है **?**

Solution. 'कवितावली' के छंद में पेट की आग से तात्पर्य है भूख की तीव्रता। इसे 'बड़वाग्नि' से तुलना की गई है क्योंकि जैसे बड़वाग्नि (वन की आग) अपार और सब कुछ नष्ट करने वाली होती है, वैसे ही पेट की आग भी अत्यंत तीव्र और असहनीय होती है। यह तुलना भूख की गंभीरता और उसकी निर्बाधता को दर्शाती है।

(ख) **'**कैमरे में बंद अपाहिज**'** कविता से उद्धृत पंक्ति **"**हम पूछ-पूछकर उसको रुला देंगे**"** में कैसा भाव निहित है **?** इस कथन से मीडियाकर्मियों के विषय में क्या पता चलता है **?**

collegedunia
India's largest Student Review Platform

Solution. पंक्ति "हम पूछ-पूछकर उसको रुला देंगे" में मीडियाकर्मियों के बेरहमी और संवेदनहीनता का भाव निहित है। यह दर्शाता है कि वे अपनी खबरें उधेड़ने के लिए पीड़ितों की भावनाओं की परवाह किए बिना, संवेदनहीन तरीके से उन्हें उत्पीड़ित कर सकते हैं।

(ग) 'तिरती है समीर-सागर पर अस्थिर सुख पर दुख की छाया' - 'बादल राग' कविता की इस पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए।

Solution. 'बादल राग' कविता की पंक्ति "तिरती है समीर-सागर पर अस्थिर सुख पर दुख की छाया" का भाव है कि सुख और दुख के परिवर्तनशील प्रभावों को समुद्र और हवा के माध्यम से दर्शाया गया है। समीर (हवा) और सागर (समुद्र) की तरह, सुख और दुख भी अस्थिर और अस्थायी होते हैं, जो जीवन में निरंतर बदलते रहते हैं।

Q.12 गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग **60** शब्दों में लिखिए **:**

(क) 'जीवन में प्रायः सभी को अपने-अपने नाम का विरोधाभास लेकर जीना पड़ता है' अपने - आसपास से उदाहरण देकर 'भक्तिन' पाठ के इस कथन के पक्ष में तर्क प्रस्तुत कीजिए।

Solution. 'भक्तिन' पाठ के कथन "जीवन में प्रायः सभी को अपने-अपने नाम का विरोधाभास लेकर जीना पड़ता है" का तर्क इस प्रकार प्रस्तुत किया जा सकता है:

हमारे आसपास कई लोग ऐसे होते हैं जिनके नाम उनके व्यक्तित्व या जीवन की वास्तविकता से मेल नहीं खाते। उदाहरण के तौर पर, एक व्यक्ति जिसका नाम 'सुभ्रात' (सुंदर प्रात) है, यदि वह जीवन में बार-बार कठिनाइयों और समस्याओं का सामना करता है, तो नाम और वास्तविकता में विरोधाभास स्पष्ट होता है। इसी तरह, एक व्यक्ति जिसका नाम 'सुखमय' है, अगर वह निरंतर दुखी रहता है, तो यह नाम का विरोधाभास दर्शाता है। यह विरोधाभास हमारे जीवन के जटिल और परस्पर विरोधी स्वभाव को उजागर करता है।

(ख) 'बाज़ार-दर्शन' के आधार पर 'बाज़ार का जादू चढ़ने और उतरने' का आशय स्पष्ट कीजिए।

Solution. 'बाज़ार-दर्शन' के अनुसार, 'बाज़ार का जादू चढ़ने और उतरने' से तात्पर्य है कि बाजार की चकाचौंध और विज्ञापन की चमक-दमक कुछ समय के लिए लोगों को आकर्षित

collegedunia
India's largest Student Review Platform

करती है और उन्हें खरीदारी के लिए उकसाती है। जब यह आकर्षण अपने चरम पर होता है, तो लोग बाजार में बहुत अधिक खर्च करने लगते हैं, जिसे 'बाज़ार का जादू चढ़ना' कहा जाता है।

फिर धीरे-धीरे, जब यह जादू कम होने लगता है और वास्तविकता सामने आती है, तो लोग अपने खर्च पर पछताते हैं या बाजार के प्रति अपना उत्साह खो देते हैं, जिसे 'बाज़ार का जादू उतरना' कहते हैं। यह दर्शाता है कि बाजार की फुसलाहट और महक केवल क्षणिक होती है और बाद में लोगों की प्राथमिकताएँ बदल सकती हैं।

(ग) लुट्टन पहलवान ने ऐसा क्यों कहा होगा कि मेरा गुरु कोई पहलवान नहीं, यही ढोल है ?

Solution. लुट्टन पहलवान ने कहा कि "मेरा गुरु कोई पहलवान नहीं, यही ढोल है" का मतलब है कि उसके लिए ढोल का संगीत और उसका ताल ही असली गुरु है। यहाँ पहलवान की तुलना ढोल से की गई है, क्योंकि ढोल की आवाज़ और ताल जीवन के कई पहलुओं को सही दिशा में ले जाने में मदद करती है। पहलवान का वास्तविक कौशल और ताकत ढोल की धुन और उसकी शक्ति से प्रेरित होती है, इसलिए उसने ढोल को अपने गुरु के रूप में स्वीकार किया। यह पंक्ति पहलवान के जीवन में ढोल की महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाती है, जो उसे अपने लक्ष्य की ओर मार्गदर्शन करता है।

Q.13 गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग **40** शब्दों में लिखिए **:**

(क) 'श्रम विभाजन और जाति प्रथा' पाठ के आधार पर श्रम विभाजन और श्रमिक विभाजन में अंतर स्पष्ट कीजिए।

Solution. 'श्रम विभाजन' और 'श्रमिक विभाजन' में अंतर स्पष्ट करते हुए:

श्रम विभाजन: यह एक आर्थिक और सामाजिक प्रक्रिया है जिसमें विभिन्न कार्यों को विशिष्ट भूमिकाओं में बांट दिया जाता है। इसका उद्देश्य कार्य की दक्षता और उत्पादकता बढ़ाना होता है, जैसे कि एक फैक्ट्री में विभिन्न विभागों का होना।

श्रमिक विभाजन: यह सामाजिक और जातिगत दृष्टिकोण से कामकाजी लोगों की श्रेणियों में विभाजन है, जहां व्यक्ति की जाति, वर्ग या सामाजिक स्थिति के आधार पर कामों को

collegedunia
India's largest Student Review Platform

बांटा जाता है। यह आमतौर पर भेदभाव और असमानता को जन्म देता है, जैसे कि जातिगत पेशेवर भूमिकाओं का निर्धारण।

इस प्रकार, श्रम विभाजन कार्यों के विभाजन पर आधारित है, जबकि श्रमिक विभाजन व्यक्तियों को उनकी सामाजिक स्थिति के अनुसार विभाजित करता है।

(ख) 'काले मेघा पानी दे' पाठ में जीजी किसान के उदाहरण द्वारा क्या सिद्ध करना चाहती है ?

Solution. 'काले मेघा पानी दे' पाठ में जीजी किसान के उदाहरण द्वारा यह सिद्ध करना चाहती हैं कि किसानों की कठिनाइयों और उनके परिश्रम के बावजूद, उन्हें प्राकृतिक आपदाओं और पर्यावरणीय समस्याओं का सामना करना पड़ता है। जीजी किसान का उदाहरण इस बात को उजागर करता है कि खेती के लिए जरूरी वर्षा और पानी की कमी किस प्रकार किसानों की जिंदगी और उनके मेहनत को प्रभावित करती है। यह उदाहरण दिखाता है कि कृषि संकट की जड़ें प्राकृतिक तत्वों में निहित हैं और किस प्रकार किसान इस अनिश्चितता और कठिनाइयों का सामना करते हैं।

(ग) बाज़ार जाते समय हमें किन बातों का ध्यान रखना चाहिए, जिससे बाज़ार के जादू से बचा जा सके ? 'बाज़ार-दर्शन' पाठ के संदर्भ में लिखिए।

Solution. 'बाज़ार-दर्शन' पाठ के संदर्भ में बाज़ार जाते समय हमें निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना चाहिए:

1. आवश्यकता पर ध्यान: केवल वही वस्तुएँ खरीदें जिनकी आपको वास्तविक आवश्यकता हो। बेवजह की चीज़ों पर खर्च करने से बचें।

2. बजट का पालन: अपने बजट का पालन करें और इससे बाहर न जाएँ। इससे अधिक खर्च करने से आप बच सकते हैं।

3.विज्ञापन और आकर्षण से बचाव: बाजार में अक्सर विज्ञापन और आकर्षक डिस्प्ले हमारी ध्यान भटकाने के लिए होते हैं। इन्हें नजरअंदाज करें और केवल जरुरी चीज़ों पर ध्यान दें।

इन बातों का ध्यान रखकर आप बाज़ार के जादू से बच सकते हैं और अपने खर्च को नियंत्रण में रख सकते हैं।

collegedunia
India's largest Student Review Platform

(पूरक पाठ्यपुस्तक पर आधारित प्रश्न)

Q.14.निम्नलिखित तीन प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग **40** शब्दों में लिखिए **:**

(क) **'**सिल्वर वैडिंग**'** कहानी की मुख्य समस्या पर विचार कीजिए।

Solution. 'सिल्वर वैडिंग' कहानी की मुख्य समस्या है विवाह के बंधन में आकर व्यक्तिगत स्वतंत्रता और आत्म-संप्रभुता का हनन। कहानी में पात्र एक दूसरे के साथ रिश्तों में होने वाली जटिलताओं और स्वेच्छा के अभाव को दर्शाते हैं, जिससे वे अपनी इच्छाओं और स्वतंत्रता को खोते हुए महसूस करते हैं। यह कहानी विवाह और पारिवारिक जीवन के दवाबों को उजागर करती है और यह सवाल उठाती है कि क्या व्यक्तिगत सुख और स्वतंत्रता की कीमत पर सामाजिक मान्यताओं का पालन करना सही है।

(ख) **'**जूझ**'** कहानी के लेखक का संघर्ष हमारे लिए प्रेरणादायक है**,** कैसे **?**

Solution. 'जूझ' कहानी के लेखक का संघर्ष प्रेरणादायक है क्योंकि वह **साधारण परिस्थितियों में असाधारण साहस और धैर्य** का प्रदर्शन करता है। लेखक ने सामाजिक और व्यक्तिगत कठिनाइयों के बावजूद निरंतर संघर्ष किया, यह दिखाते हुए कि कठिनाईयों और विफलताओं के बावजूद संघर्ष और संकल्प से सफलता प्राप्त की जा सकती है। उनका संघर्ष हमें यह सिखाता है कि जीवन की चुनौतियों का सामना साहस और दृढ़ता के साथ करना चाहिए, और अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते रहना चाहिए, चाहे कितनी भी बाधाएँ क्यों न हों।

(ग) सिंधु सभ्यता को लघुता में भी महत्ता का अनुभव करने वाली संस्कृति कहे जाने का क्या आधार है **?**

Solution. सिंधु सभ्यता को लघुता में भी महत्ता का अनुभव करने वाली संस्कृति कहे जाने का आधार उसकी उत्कृष्ट शहरी योजना, विकसित सामाजिक संरचना, और समृद्ध संस्कृति है। सभ्यता ने सीमित भौगोलिक क्षेत्र में अत्यंत उन्नत नगर नियोजन, जल प्रबंधन प्रणाली, और शिल्पकला का प्रदर्शन किया। इसके अवशेष, जैसे मोहेनजो-दड़ो और हड़प्पा के भग्नावशेष, यह दर्शाते हैं कि छोटी भौगोलिक इकाई में भी सभ्यता ने अत्यंत प्रभावशाली और परिष्कृत जीवनशैली अपनाई थी। इसकी संस्कृति ने छोटे पैमाने पर भी

collegedunia
India's largest Student Review Platform

महानता और प्रभावशीलता को सिद्ध किया, जिससे यह सभ्यता अद्वितीय और महत्वपूर्ण बन गई।

collegedunia
India's largest Student Review Platform